कक्षा -6

हिन्दी व्याकरण

विशेषण

⇒ संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बतलाने वाले शब्द को विशेषण कहते हैं।
जैसे – वीर पुरुष , काली गाय ..... आदि।

☆ **विशेष्य** – जिसकी विशेषता बताई जाती है, उसे विशेष्य कहते हैं।

जैसे – वीर <u>पुरुष</u> , मोटा <u>हाथी</u>
रसीला <u>फल</u> , सुन्दर <u>बच्चा</u>

☆ **प्रविशेषण** – विशेषण की विशेषता बताने वाले शब्द प्रविशेषण कहलाते हैं।

जैसे – वह <u>बहुत</u> तेज है।
दाल <u>अधिक</u> गाढ़ी है।
दही <u>थोड़ा</u> खट्टा है।

⇒ <u>बच्चा</u> <u>बहुत</u> <u>गोरा</u> है।

बच्चा ↓ (विशेष्य)
बहुत ↓ (प्रविशेषण)
गोरा ↓ (विशेषण)

विशेषण के भेद —

विशेषण के चार भेद होते हैं—

① गुणवाचक विशेषण
② संख्यावाचक "
③ परिमाणवाचक "
④ सार्वनामिक "

1. गुणवाचक विशेषण —

जो शब्द संज्ञा और सर्वनाम के गुण-दोष, रंग, आकृति, दशा और अवस्था की विशेषता प्रकट करता है, उसे गुणवाचक विशेषण कहते हैं।

जैसे— गाय काली है।
वह ईमानदार है।
रावण दुष्ट था।

2. संख्यावाचक विशेषण—

जो शब्द संज्ञा या सर्वनाम की संख्या (गिनती) का बोध कराए, उसे संख्यावाचक विशेषण कहते हैं।

जैसे— वर्ग में दो बच्चे हैं।
मोहन, सोहन से चार गुणा बड़ा है।

☆ संख्यावाचक विशेषण दो प्रकार के होते हैं—

(क) निश्चित संख्यावाचक विशेषण
(ख) अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण

(क) निश्चित संख्यावाचक विशेषण —

जिन विशेषण शब्दों से निश्चित संख्या का पता चलता हो, उन्हें निश्चित संख्यावाचक विशेषण कहते हैं।

जैसे — मैदान में चार लड़के दौड़ रहे हैं।
पार्क में दो घोड़े चर रहे हैं।

(ख) अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण —

जिन विशेषण शब्दों से निश्चित संख्या का पता नहीं चलता हो, उन्हें अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण कहते हैं।

जैसे — बाहर कुछ बच्चे खेल रहे हैं।
थोड़े आम खरीद लाओ।

3. परिमाण वाचक विशेषण —

जो विशेषण शब्द किसी संज्ञा या सर्वनाम की मात्रा या नापतोल का बोध कराते हैं, उन्हें परिमाण वाचक विशेषण कहते हैं।

जैसे — राधा ने दस मीटर कपड़ा खरीदा।
कुछ बादाम दे दो।

☆ परिमाणवाचक विशेषण के दो भेद होते हैं —

(क) निश्चित परिमाणवाचक विशेषण
(ख) अनिश्चित परिमाणवाचक विशेषण

(क) निश्चित परिमाणवाचक विशेषण —

जिन विशेषण शब्दों से वस्तु की निश्चित मात्रा का पता चलता है, उन्हें निश्चित परिमाणवाचक विशेषण कहते हैं।
जैसे — बाज़ार से पाँच किलो चीनी ले आओ।
अंबिका ने दो मीटर कपड़ा खरीदा।

(ख) अनिश्चित परिमाणवाचक विशेषण —

जिन शब्दों से वस्तु की अनिश्चित मात्रा का पता चलता है, उन्हें अनिश्चित परिमाणवाचक विशेषण कहते हैं।
जैसे — थोड़ा-सा पानी गर्म कर लो।
कुछ कपड़े खरीद लो।

4. सार्वनामिक विशेषण —

जो सर्वनाम शब्द विशेषण के रूप में संज्ञा या सर्वनाम से पहले लगकर उनकी विशेषता को प्रकट करते हैं, उन्हें सार्वनामिक विशेषण कहते हैं।
जैसे — यह गाय काली है।
वे ऊँट इधर आ रहे हैं।
ऐसी पुस्तक हम भी खरीदेंगे।
यह महल किसका था?